Import & Export Workshop Organised By Ibs,Iud – September 14, 2019

1-Gadhsamvedna.com-Online news portal

http://gadhsamvedna.com/□□□□□□-□□□□□□-□□□□□-□□□-आ

2-

इक्फाई बिजनेस स्कूल में आयात और निर्यात उद्यम पर कार्यशाला आयोजित

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । इक्फाई यूनिवर्सिटीए देहरादून के इक्फाई बिजनेस स्कूल ने एन.ई.डी.सी (राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ) से डॉ. रिशु भारद्वाज को एक कार्यशाला आयोजित करने और छात्रों को भारत में आयात और निर्यात में सफल होने के तरीके के बारे में सिखाने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. रिशु भारद्वाज एन.ई.डी.सी के एक प्रमाणित प्रशिक्षक है, जो 12 से अधिक वर्षो की अवधि के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉक्टरेट है। डॉ. अंकिता श्रीवास्तव ने कार्यशाला का आयोजन किया और कार्यशाला के समन्वयक प्रो राघवेंद्र शर्मा और सुश्री ऐश्वर्या रस्तोगी थीं। डॉ. रिशु भारद्वाज ने छात्रों को निर्यात में गुंजाइश और जैविक उत्पादों, विशेषकर आम और लीची की मांग के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में भी बताया और कहा कि ॅ निर्यात आयात व्यापार या एक्जिम व्यवसाय के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सरल है और इसमें एक किराये का समझौताए पैन विवरणए साझेदारी समझौता और आयात निर्यात कोड य(आई ई सी) के लिए एक आवेदन शामिल है। पोर्ट पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज दुकान स्थापना प्रमाण पत्र नगरपालिका प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए व्यावसायिक लाइंसेंस, केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग और बिक्री कर विभाग और टैरिफ शेड्यूल कोड पंजीकरण के साथ अनुरूपित कोड प्रणाली पर आधारित है। उत्तरी क्षेत्रों के निर्यात की अधिक लागत के कारण के बारे में पूछे जाने पर डॉ. रिशु भारद्वाज ने कहा ॅ भारत में 22 बंदरगाह है, लेकिन वे उत्तर भारत के बाहर तटीय क्षेत्रों में स्थित है, इसलिए उत्तरी क्षेत्र से निर्यात लागत बढ जाती है। छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में संभावित खरीदारों की पहचान करने और उन तक पहुंचने के बारे में भी पूछा। जिसके लिए डॉ. रिशु भारद्वाज ने जवाब दिया ष्व्यापार प्रदर्शन में भाग लेना और चौम्बर ऑफ कॉमर्स से खरीदार सूची प्राप्त करना एक व्यवसाय को बढावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खरीदारों का पता लगाने के लिए मूल तरीके हैं।

कार्यशाला के प्रतिभागी।

Veer Arjun Page 4

3-

निर्यात व आयात व्यवसाय अधिक पारदर्शी व सुरक्षित: डा. रिशु

■ छात्रों ने सीखे आयात- निर्यात में सफल होने के तरीके

शाह टाइम्स संवाददाता

सेलाकुई। इक्फाई यूनिवर्सिटी के इक्फाई बिजनेस स्कूल ने एनईडीसी (राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ) से डा. रिशु भारद्वाज को एक कार्यशाला आयोजित करने और छात्रों को भारत में आयात और निर्यात में सफल होने के तरीके के बारे में सिखाने के लिए आमंत्रित किया। डा. रिशु भारद्वाज एनईडीसी के एक प्रमाणित प्रशिक्षक हैं, जो 12 से अधिक वर्षों की अवधि के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डाक्टरेट हैं।

डा. अंकिता श्रीवास्तव ने कार्यशाला का आयोजन किया और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. राघवेंद्र शर्मा और ऐश्वर्या रस्तोगी थी। डा. रिशु भारद्वाज ने छात्रों को निर्यात में गुंजाइश और जैविक उत्पादों, विशेषकर आम और लीची की मांग के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में भी बताया और कहा कि निर्यात आयात व्यापार या एक्जिम व्यवसाय के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सरल है और इसमें एक किराये का समझौता पैन विवरण साझेदारी समझौता और आयात निर्यात कोड (आईईसी) के लिए एक आवेदन शामिल है। उत्तरी क्षेत्रों के निर्यात की अधिक लागत के कारण के बारे में पूछे जाने पर डा. रिशु भारद्वाज ने कहा 'भारत में 22 बंदरगाह हैं, लेकिन वे उत्तर भारत के बाहर तटीय क्षेत्रों में स्थित है, इसलिए उत्तरी क्षेत्र से निर्यात लागत बढ़ जाती है। छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में संभावित खरीदारों की पहचान करने और उन तक पहुंचने के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि निर्यात और आयात व्यवसाय अधिक पारदर्शी और सुरक्षित है क्योंकि यह कानून द्वारा लागू समझौते द्वारा बंधा है।

Shah Times Page 4

4-

निर्यात व आयात व्यवसाय पारदर्शी और सुरक्षित

इक्फाई बिजनेस स्कूल की ओर से आयोजित कार्यशाला में छात्रों को दी गई कई महत्वपूर्ण जानकारियां, सरकार की नीतियों से कराया अवगत

जागरण संवाददाता, विकासनगर: सेलाकुई स्थित इक्फाई बिजनेस स्कूल ने आयात व निर्यात उद्यम पर कार्यशाला आयोजित की। एनईडीसी (राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ) के डॉ. रिशु भारद्वाज ने छात्रों को भारत में आयात और निर्यात में सफल होने के गुर बताए। कहा कि निर्यात और आयात व्यवसाय अधिक पारदर्शी और सुरक्षित है, क्योंकि यह कानून द्वारा लागू समझौते द्वारा बंधा है।

कार्यशाला में डॉ. भारद्वाज ने निर्यात और आयात उद्यम के प्रलेखन और सरकार की नीतियों के बारे में बताया। एनईडीसी के प्रमाणित प्रशिक्षक व 12 से अधिक वर्षों की अवधि के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉक्टरेट डॉ. भारद्वाज ने छात्रों को निर्यात में गुंजाइश और जैविक उत्पादों, विशेषकर आम और लीची की मांग के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में भी बताया कि निर्यात आयात व्यापार या एक्जिम व्यवसाय के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सरल है। इसमें एक किराये का समझौता, पैन विवरण, साझेदारी समझौता और आयात निर्यात कॉड के लिए एक आवेदन शामिल है। छात्रों द्वारा उत्तरी क्षेत्रों के निर्यात की अधिक लागत के कारण के बारे में पूछने पर डॉ. भारद्वाज ने कहा भारत में 22 बंदरगाह हैं, लेकिन वे उत्तर भारत के बाहर तटीय क्षेत्रों में स्थित है, इसलिए उत्तरी क्षेत्र से निर्यात लागत बढ़ जाती है। छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में संभावित खरीदारों की पहचान करने और उन तक पहुंचने के बारे में भी प्रश्न किए। डॉ. भारद्वाज ने जवाब दिया कि व्यापार प्रदर्शन में भाग लेना और चैंबर ऑफ कॉमर्स से खरीदार सूची प्राप्त करना एक व्यवसाय को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खरीदारों का पता लगाने के लिए मूल तरीके हैं। इस मौके पर कार्यशाला आयोजक डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, समन्वयक प्रो. राघवेंद्र शर्मा व ऐश्वर्या रस्तोगी मौजूद रहे।

Dainik Jagran page 5

5-

कि इसी क्रम में सीमा डेंटल कॉलेज के फैकल्टी मेंबर्स व विद्यार्थियों को एम्स में बेसिक लाइफ सपोर्ट क्रिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रोफेसर मनोज गुप्ता, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. ब्रह्मप्रकाश, सीमा डेंटल कॉलेज के चेयरमैन डॉ. अमित गुप्ता, डीन डॉ. हिमांशु ऐरन आदि मौजूद थे।

क्षेत्र की जनता को हो रही परेशानी से छुटकारा मिल सके। देहरादून में प्रदूषण जांच केंद्रों पर भारी भीड़ है, जिस कारण पूरे दिन इंतजार करने पर भी नंबर नहीं आ रहा है। ऐसी स्थिति में मसूरी में प्रदूषण जांच केंद्र खोला जाए।

आयात-निर्यात के संबंध में जानकारी देते विशेषज्ञ।

पारदर्शी है आयात एवं निर्यात का व्यवसाय

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। इक्फाई यूनिवर्सिटी देहरादून के इक्फाई बिजनेस स्कूल ने एनईडीसी (राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ) से डॉ. रिशु भारद्वाज को एक कार्यशाला आयोजित करने और छात्रों को भारत में आयात और निर्यात में सफल होने के तरीके के बारे में सिखाने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. रिशु भारद्वाज 12 से अधिक वर्षों का अनुभव रखते हैं। वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉक्टरेट हैं। डॉ. अंकिता श्रीवास्तव ने कार्यशाला का आयोजन किया और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. राघवेंद्र शर्मा और सुश्री ऐश्वर्या रस्तोगी थीं।

डॉ. रिशु भारद्वाज ने छात्रों को निर्यात में गुंजाइश और जैविक उत्पादों, विशेषकर आम और लीची की मांग के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि निर्यात आयात व्यापार या एक्जिम व्यवसाय के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सरल है और इसमें एक किराये का समझौता, पैन विवरण, साझेदारी समझौता और आयात निर्यात कोड के लिए एक आवेदन शामिल है। पोर्ट पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज, दुकान स्थापना प्रमाण पत्र, नगरपालिका प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए व्यावसायिक लाइसेंस, केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग और बिक्री कर विभाग और टैरिफ शेड्यूल कोड पंजीकरण के साथ अनुरूपित कोड प्रणाली पर आधारित हैं। उत्तरी क्षेत्रों के निर्यात की अधिक लागत के कारण के बारे में पूछे जाने पर डॉ. रिशु भारद्वाज ने कहा कि भारत में 22 बंदरगाह हैं, लेकिन वे उत्तर भारत के बाहर तटीय क्षेत्रों में स्थित हैं, इसलिए उत्तरी क्षेत्र से निर्यात लागत बढ़ जाती है। छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में संभावित खरीदारों की पहचान करने और उन तक पहुंचने के बारे में भी पूछा। इसके लिए डॉ. रिशु भारद्वाज ने जवाब दिया कि व्यापार प्रदर्शन में भाग लेना और चैंबर ऑफ कॉमर्स से खरीदार सूची प्राप्त करना एक व्यवसाय को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खरीदारों का पता लगाने के लिए मूल तरीके हैं। डॉ रिशु भारद्वाज ने कहा कि निर्यात और आयात व्यवसाय अधिक पारदर्शी और सुरक्षित है, क्योंकि यह कानून द्वारा लागू समझौते द्वारा बंधा है।

ी कोशिश की तो भाई पर ही कर दिया हमला

अपने देवर सुखपाल के पीछे आ गई। उसके देवर ने बड़े भाई को

अलग-अलग जगह से पुलिस ने दो युवकों को दबोचा

Dainik Bahskar Page 4

6-

इक्फाई यूनिवर्सिटी के छात्रों को बताए आयात-निर्यात के तरीके

विकासनगर। राजावाला रोड स्थित इक्फाई यूनिवर्सिटी में आयात और निर्यात विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इक्फाई बिजनेस स्कूल की ओर से आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ के डॉ. रिशु भारद्वाज शामिल हुए।

उन्होंने छात्रों को आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी। कहा कि आयात-निर्यात व्यापार में पंजीकरण एक सरल प्रक्रिया है। इसके लिए महज एक किराए का समझौता, पैन, साझेदारी समझौता के साथ आयात-निर्यात कोड के लिए आवेदन करना होता है। कहा कि आयात-निर्यात के संबंध में चैंबर ऑफ कॉमर्स से अधिक जानकारी हासिल की जा सकती है। कार्यालय में डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, समन्वयक प्रो. राघवेंद्र शर्मा और ऐश्वर्या रस्तोगी ने भी विचार रखे। इस मौके पर आनंद, आकाश, लक्ष्य, जसप्रीत, आदित्य चक्रवर्ती, श्रेया मौजूद रहे। ब्यूरो

तीन दिन को छोड़

अमर उजाला ब्यूरो

विकासनगर। परियोजना डाकपत्थर में सिंचाई वि आवासों में अवैध रूप से लोगों के खिलाफ सिंचाई कार्रवाई का निर्णय लिया ने अवैध रूप से रह रहे को नोटिस जारी कर ती भीतर आवासों को छोड़ने जारी किए हैं। इसके

Amar Ujala Page 6